i-NEXT PAGE 4

एलयू में यूजी संग करें पीएचडी आवेदन

डीन एडमिशन ने सभी विभागों से मांगी पीएचडी के लिए सीटों की संख्या

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (18 Feb): लखनऊ यूनिवर्सिटी इस बार यूजी के साथ पीएचडी एडमिशन के लिए भी आवेदन प्रक्रिया शुरू करेगा. पीएचडी का सत्र एक साल लेट चल रहा है. इसे पटरी पर लाने के लिए सत्र 2020-21 की आवेदन प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू करने पर विचार किया जा रहा है. डीन एडमिशन प्रो. वीके मिश्रा ने गुरुवार को पत्र जारी कर 23 फरवरी तक विभागों के हेड और डायरेक्टर से शोध के लिए पीएचडी सीटों का ब्योरा देने के लिए कहा है.

सीटों की ब्यौरा आते ही एडमिशन शुरू होगा

एलयू में सत्र 2019-20 में करीब 450 सीटों पर एडमिशन की प्रक्रिया पूरी की गई थी. अब 2020-21 सत्र के लिए प्रक्रिया शुरू की जानी है. यूनिवर्सिटी में 45 विभागों में 70 विषय संचालित हैं. इनमें से 50 से ज्यादा विषयों में पीएचडी एडमिशन होते हैं. डीन एडमिशन प्रो. वीके मिश्रा ने बताया कि पीएचडी एडमिशन की प्रक्रिया जल्द शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी है. यूजी के साथ ही इसके आवेदन लेने पर विचार किया जा रहा है. सभी विभागों से यह पूछा गया है कि उनके यहां शोध के लिए कितनी सीटें हैं. ब्योरा आते ही प्रक्रिया शुरू की जाएगी.

CONCEPT PIC

यूजी, परास्नातक और पीएचडी एडमिशन के लिए फार्म का निर्धारित प्रारूप तय करने को शुक्रवार को डीन एडमिशन कोआर्डिनेटर के साथ बैठक करेंगे.

एलयू के नियमों से होंगे चार अन्य जिलों में एडमिशन

लखनऊ यूनिवर्सिटी में संबद्ध कालेजों की संख्या बढ़ने से इसका विस्तार हो गया है. अब लखनऊ के साथ हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर और रायबरेली के संबद्ध कालेज भी जुड़ गए हैं. यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि यूनिवर्सिटी सिर्फ प्रवेश की डेट तय करेगा. कालेज अपनी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने के लिए स्वतंत्र होंगे.

परीक्षा फार्म पर बैठक आज

यूजी, परास्नातक और पीएचडी एडमिशन के लिए फार्म का निर्धारित प्रारूप तय करने के लिए शुक्रवार को डीन एडमिशन कोआर्डिनेटर के साथ बैठक करेंगे. यदि कोई बदलाव करना होगा तो उस पर विचार किया जाएगा.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लखनऊ विश्वविद्यालय ने 11 नए कॉलेजों को दी एनओसी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से जुड़े कॉलेजों की संख्या में और इजाफा होगा। विश्वविद्यालय ने 11 नए कॉलेजों को एनओसी दे दी है। ये कॉलेज अब अन्य औपचारिकताएं पूरी कर सत्र 2021-22 से लॉ तीन वर्षीय, पांच वर्षीय, बीएससी, बीकॉम व बीए कोर्स शुरू कर सकेंगे। इसमें लखनऊ के साथ-साथ लखीमपुर खीरी और सीतापुर के भी कॉलेज शामिल हैं।

विवि का दावा इस सत्र से लखनऊ के साथ-साथ चार अन्य जिलों में भी बढ़ गया है। इस क्रम में विश्वविद्यालय ने पिछले दिनों नए कॉलेजों व विषयों से संबद्धता के लिए आवेदन मांगे थे। इसमें दो दर्जन से अधिक कॉलेजों ने एनओसी के लिए आवेदन किए थे। हाल में हुई एनओसी समिति की बैठक में आवेदन करने वाले कॉलेजों में से 11 को आगे की प्रक्रिया पूरी करने की हरी झंडी दी है। इसमें लखनऊ के छह, सीतापुर के तीन, लखीमपुर खीरी के दो कॉलेज शामिल हैं। वर्तमान में लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों की संख्या 174 है।

कॉलेज संबद्धता के लिए करेंगे आवेदन, यहां शुरू हो सकेंगे बीएससी, लॉ, बीकॉम और बीए के कोर्स

समिति करेगी कॉलेजों का निरीक्षण

रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि आवेदन करने वाले उन कॉलेजों को एनओसी दे दी गई है, जो नियम पूरा करते थे। अब ये कॉलेज संबद्धता के लिए विस्तृत सूचना के साथ आवेदन करेंगे। विवि की गठित समिति इन कॉलेजों का स्थलीय निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट देगी। इसके बाद उनको संबद्धता दी जाएगी।

लविवि में यूजी के साथ होंगे पीएचडी के दाखिले

लखनऊ। लविवि में नई टीम के गठन के बाद विश्वविद्यालय एलयू शुरू करने की कवायद तेज हो गई है। विश्वविद्यालय में अभी सत्र 2020-21 के पीएचडी प्रवेश भी नहीं हुए हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन सत्र 2021-22 के यूजी प्रवेश के साथ ही पिछले साल के पीएचडी प्रवेश भी करेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने हाल ही में प्रवेश के लिए पहली बार डीन एडमिशन की नियुक्ति की है। साथ ही समन्वयक व सह समन्वयक की टीम की भी घोषणा की है। नौ मार्च से स्नातक में प्रवेश के लिए आवेदन शुरू करने की तैयारी चल रही है। विश्वविद्यालय में सत्र 2019-20 की पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया आरक्षण आदि कारणों से काफी देर तक चली है। इसके बाद पीएचडी ऑर्डिनेंस में बदलाव कर अधूरवल के लिए राजभवन भेजा गया था। फिर लॉकडाउन हो गया। इस वजह से अभी तक सत्र 2020-21 की पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया पूरी नहीं हुई। जल्द ही विभागों से उनके यहां खाली सीटों का ब्योरा लेकर प्रवेश आवेदन प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

NBT PAGE 6

6 कॉलेजों को मिली एलयू की संबद्धता, शुरू होंगे नए कोर्स

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय ने छह कॉलेजों को संबद्धता दे दी है। इन कॉलेजों में 12 से ज्यादा स्नातक पाठ्यक्रम शुरू होंगे। इसके साथ ही सात अन्य कॉलेजों को भी कई पाठ्यक्रम शुरू करने की अनुमति दी गई है। इसके साथ ही एलयू से संबद्ध कॉलेजों की संख्या 180 हो गई है।

पहली बार संबद्धता पाने वाले कृष्णानगर स्थित आरएएस लॉ कॉलेज और वीकेटी के कठवारा स्थित यूवीएस लॉ कॉलेज में एलएलबी तीन व पांच वर्षीय और सुलतानपुर रोड कासिमपुर विरहा स्थित टीडीएल लॉ कॉलेज में तीन वर्षीय एलएलबी कोर्स होगा। शारदा नगर स्थित सेंट्रल पब्लिक स्कूल में वीए, वीकॉम, वीएससी व वीजेएमसी कोर्स शुरू होंगे। काकोरी के हवीबपुर स्थित मां वैष्णो देवी डिग्री कॉलेज में वीकॉम जबकि भौंकापुर चैती के सत्य भामा कॉलेज ऑफ एजुकेशन में वीए और वीकॉम कोर्स शुरू किए जाएंगे।

यहां नए कोर्स की मंजूरी

बीएसएनवी पीजी कॉलेजः एमए अंग्रेजी, राजनीति शास्त्र व संस्कृत के साथ एमएससी भौतिक।

चंद्रभानु गुप्त कृषि कॉलेज, देवा रोडः बीकाम व बीबीए।

फ्लोरेंस नाइटिंगल महिला पब्लिक कॉलेजः एमकॉम, एमए अंग्रेजी।

आर्यावर्त इंस्टिट्यूट ऑफ हायर एजुकेशनः बीएससी, बीकॉम।

गौतम बुद्ध डिग्री कॉलेज, बिजनौरः एमकॉम, बीएससी।

लाल बहादुर शास्त्री गर्ल्स कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, कुर्सी रोडः एमकॉम।

बासुदेव डिग्री कॉलेज, अमराईः एमकॉम, एमए-शिक्षा शास्त्र।

डॉ. आशा स्मृति महाविद्यालय, देवा रोडः एमए-समाज शास्त्र और शिक्षा शास्त्र।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

कुमकुम धर के कथक पर रीझे दर्शक

लखनऊ, (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के तत्वाधान में शुरू हुई दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम दिन 'मधुमय उमंग' नाम से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें प्राजक्ता द्वारा सरस्वती वंदना का गायन किया गया। इस आयोजन की मुख्य अतिथि कुलपति की पत्नी श्रीमती संगीता राय ने कथक कलाकार कुमकुम धर का स्वागत फूलों का गुलदस्ता देकर किया। डॉ कुमकुम धर के नृत्य समूह ने 'शिव स्तुति' विषय पर नृत्य प्रस्तुत किया। बाद में एक जुगलबंदी नृत्य की प्रस्तुति दी। इसके बाद वसंत नामक नृत्य प्रदर्शन किया गया, जो कृष्ण को समर्पित था। चौथा प्रदर्शन वास्तुकला पर आधारित तराना था उसके बाद राग अक्षतम और होरी की प्रस्तुति दी गई। अंत में विश्वविद्यालय के छात्रों ने नृत्य एवं गायन की प्रस्तुतियां दी।

HINDUSTAN TIMES PAGE 3

Now, LU graduate courses' syllabus as per NEP-2020

HT Correspondent
Letters@htlive.com

LUCKNOW: The Lucknow University administration has decided to change the existing syllabus of all the 70 graduate courses as per the New Education Policy (NEP) 2020, said university officials.

The NEP-2020 cleared by the central government in 2019 is being implemented in state universities and colleges from the coming academic year, as per the directions of the state government.

"The new education policy includes various elements to make studies job-oriented. This is being kept in mind in the new syllabus, " said vice chancellor of Lucknow University Alok Kumar Rai.

The new syllabus which is to be implemented was developed under a committee formed by the higher education department of the state.

"The new syllabus under NEP-2020 will include aided courses along with regular ones. This will allow students to take inter-departmental courses with ease.

The new system will allow them to take PG Diploma after one year and enroll in a new course or in other degree course. The students will also be free to get into a job while halting their studies briefly," said the VC.

The new syllabus will also be introduced in all the colleges affiliated with the university. The Lucknow University administration has asked all heads of departments to look into the common syllabus suggested by the state government and submit their suggestions, if any, on the officials website of the higher education department.

NEW HEAD OF ACADEMIC CELL

Professor Rakesh Chandra of the philosophy department was made the new head of Academic Cell at Lucknow University. The appointment was made by vice chancellor Alok Kumar Rai on Thursday. Geetanjali Mishra of zoology department and Anar Singh of physics department were also appointed in the cell. The appointment was made for a duration of three years.

DAINIK JAGRAN PAGE 5

खुलेंगे 11 नए कालेज, लखनऊ विश्वविद्यालय ने दी मंजूरी

लखीमपुर, सीतापुर के दो-दो लखनऊ के छह महाविद्यालय शामिल

524 महाविद्यालय लविवि से संबद्ध हैं अभी, इनमें से 174 जिले के

बीएड में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन शुरू

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएड कालेजों में दाखिले के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया गुरुवार शाम से शुरू कर दी। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि बिना लेट फीस 15 मार्च और लेटफीस के साथ 22 मार्च तक होगी।

इन्हें मिली एनओसी

कालेज का नाम और कोर्स

लखनऊ

- सेंट्रल पब्लिक स्कूल फार गर्ल्स, सेक्टर-8 शारदा नगर : बीए, बीएससी, बीकाम, बीजेएमसी
- मां वैष्णो देवी डिग्री हबीबपुर, हरदोई रोड-ककोरी : बीकाम
- आरएएस लॉ कालेज, कृष्णानगर, आलमबाग : विधि त्रिवर्षीय, पांच वर्षीय
- टीडीएल लॉ कालेज, कासिमपुर बिरहा सुल्तानपुर रोड : लॉ त्रिवर्षीय
- यूबीएस लॉ कालेज, कठवारा-बीकेटी : विधि त्रिवर्षीय, पांच वर्षीय
- सत्यभामा कालेज आफ एजुकेशन, भौकापुर बेती, बीए, बीकाम

लखीमपुर खीरी

- रीना वर्मा महाविद्यालय, बनमरा, लखीमपुर खीरी : बीए, बीएससी
- नवोदय महाविद्यालय, लखीमपुर खीरी : बीएससी कृषि

सीतापुर

- सुंदर लाल जय नारायण वर्मा कालेज, रसूलपुर, सीतापुर : बीए
- इंडिया इंस्टीट्यूट आफ हायर एजुकेशन भौरिया महोली सीतापुर : बीए, बीकाम, बीएससी
- एसएनवी एजुकेशन, बंगुरा, रामपुर मथुरा, सीतापुर : बीए,बीएससी, बीकाम

कमेटी आवेदन करने वाले महाविद्यालयों का स्थलीय निरीक्षण कर कोर्स चलाने के लिए जरूरी सुविधाओं और मानकों की जांच करेगी। उसके बाद रिपोर्ट के आधार पर संबद्धता दी जाएगी।

लविवि : यूजी के साथ शुरू होंगे पीएचडी दाखिले के लिए आवेदन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय इस बार स्नातक के साथ-साथ पीएचडी दाखिले के लिए भी आवेदन प्रक्रिया शुरू करेगा। पीएचडी का सत्र एक साल लेट चल रहा है। इसे पटरी पर लाने के लिए विचार किया गया है कि जल्द से जल्द सत्र 2020-21 की आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी जाए। इसके लिए डीन एडमिशन प्रो.वीके मिश्रा ने गुरुवार को पत्र जारी कर 23 फरवरी तक विभागों के हेड और डायरेक्टर से शोध के लिए पीएचडी सीटों का ब्योरा देने के लिए कहा है।

लविवि में 2020-21 सत्र के लिए प्रक्रिया शुरू की जानी है। विश्वविद्यालय में 45 विभागों में 70 विषय संचालित हैं। इनमें से 50 से ज्यादा विषयों में पीएचडी दाखिले होते हैं। डीन एडमिशन ने बताया कि पीएचडी दाखिले की प्रक्रिया जल्द शुरू करने की तैयारी है। स्नातक के साथ इसके आवेदन लेने पर विचार किया जा रहा है। सभी विभागों से पूछा गया है कि उनके यहां शोध के लिए कितनी सीटें हैं। ब्योरा आते ही प्रक्रिया शुरू होगी। स्नातक, परास्नातक व पीएचडी दाखिले के लिए फार्म का निर्धारित प्रारूप तय करने के लिए शुक्रवार को डीन एडमिशन कोआर्डिनेटर के साथ बैठक करेंगे।

लविवि के नियमों से होंगे चार अन्य जिलों में दाखिले : अब लखनऊ के साथ हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर व रायबरेली के संबद्ध कालेज भी जुड़ गए हैं। विवि के कुलसचिव डा. वीके सिंह ने बताया कि विवि सिर्फ प्रवेश की तिथि तय करेगा। कालेज अपनी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने के लिए स्वतंत्र होंगे।

HINDUSTAN PAGE 8

दिन में रोजगार पर चर्चा, शाम को कथक के रंग

एलयू

लखनऊ | जिज्ञासा संवाददाता

रोजगार का मतलब सिर्फ नौकरी नहीं, उद्यमी पैदा करना भी होता है। ये बातें जामिया मिलिया इस्लामिया दिल्ली से आए प्रो. फुरकान कमर ने कहीं।

वह गुरुवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की ओर से आयोजित दो दिवसीय उद्यमिता विकास रोजगार सृजन एवं विकास की कार्य योजना विषय पर संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। बतौर मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि किसी भी व्यवस्था को संचालित करने के लिए यूपी बहुत बड़ा बाजार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्किल इंडिया का नारा देकर लोगों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक जिला एक उत्पाद के तहत लोगों को सीधे रोजगार से जोड़ने का काम किया। उन्होंने कहा कि सेमिनार के जो परिणाम आएं उन्हें लागू कराने का पूरा प्रयास करूंगा।

कृष्ण को समर्पित नृत्य

संगोष्ठी के प्रथम दिन डॉ कुमकुम धर के नृत्य समूह ने शिव स्तुति शिव पर नृत्य प्रस्तुत किया। बाद में एक जुगलबंदी नृत्य की प्रस्तुति की गई गई। इसके बाद वसंत नामक नृत्य प्रदर्शन किया गया, जो कृष्ण को समर्पित था। चौथा प्रदर्शन वास्तुकला पर आधारित तराना था। इसके बाद राग अक्षतम और होरी की प्रस्तुति दी।

एलयू के मालवीय सभागार में कामर्स विभाग द्वारा आयोजित कथक संध्या में प्रस्तुति देती छात्राएं।

PIONEER PAGE 3

परिवर्तन के वाहक हैं विश्वविद्यालय:पाठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कानून, न्याय एवं ग्रामीण अधिवांशिकी सेवा मंत्री बृजेश पाठक ने कहा की विश्वविद्यालय परिवर्तन के वाहक है। उद्यमिता और समावेशी विकास को यदि धरातल पर आयामित करना है तो उसके लिए हमें छात्रों में उद्यमी का गुणों का विकास करना होगा। पाठक गुरुवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी उद्यमिता विकास रू रोजगार सृजन एवं विकास का आधार को सम्बोधित कर रहे थे।

पाठक ने वाणिज्य विभाग को ऐसे सेमिनार आयोजित करने के लिए बधाई देते हुए कहा भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन कराते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश एक बड़ा बाजार है एवं इस बाजार को मांग को ओडीओपी एवं स्किल इंडिया के माध्यम से आसानी से पूरा किया जा सकता है। विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन कराते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश एक बड़ा बाजार है एवं इस बाजार को मांग को ओडीओपी एवं स्किल इंडिया के माध्यम से आसानी से पूरा किया जा सकता है। विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने कहा कि हमें उच्च शिक्षा के लिए एक शैक्षणिक संस्थान के रूप में उद्यमियों के लिए एक इको सिस्टम के विकास में सूत्रधार के रूप में आने वाली उन अंतर्दृष्टि का उपयोग करना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने विफलताओं के साथ साथ सफलता की कहानियों के बारे में पूरी तस्वीर दिखा पाने के लिए अपनी रुचि भी दिखाई। मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित प्रोफेसर फुरकान कमर ने उद्यमिता की महता को वर्णित करते हुए कहा की व्यवसायियों की झांड का नाम, उसकी वृद्धि एवं विकास एवं उद्यमिता के बारे में अवश्य जानना चाहिए। व्यवसाई के तौर पर संगोष्ठी में उपस्थित किरोन चोपड़ा ने अपने अनुभवों को साझा किया एवं कहा युवा अपनी उद्यमिता की क्षमता से दुनिया को प्रत्येक दिन आश्चर्यचकित कर रहे हैं। प्रथम तकनीकी सत्र जिसका विषय उद्यमिता एवं संस्थागत सहयोग में चेयर पर्सन के रूप में प्रोफेसर एसके श्रीवास्तव एवं द्वितीय तकनीकी सत्र जिसका विषय निगमीय उद्यमिता सामाजिक उद्यमिता था, में चेयर पर्सन के रूप में प्रोफेसर एपी तिवारी उपस्थित रहे।

THE PIONEER PAGE 4

Varsity to implement NEP in PG courses

PNS ■ LUCKNOW

Lucknow University will implement the New Education Policy (NEP) in PG courses. Vice-Chancellor Prof AK Rai said it will be the first university to be implementing NEP in more than 70 PG courses. He said that under the NEP, in addition to the core courses, students can also go for value-added courses, MOOC and interdepartmental courses. The student will have the freedom to enroll for a new PG diploma course after a year, start studying for new courses or go for jobs.

"The courses will be implemented for the year 2020-2021 and all the affiliated colleges of Lucknow University, where post graduate courses are running, will also be implementing it," the VC said in a meeting with all the departmental heads. He also asked for comments and suggestions regarding various courses from the HoDs and told them to submit the same on the Higher Education portal by February 19. He also appreciated the departments for carrying out changes in the PG courses because of which the NEP could be implemented in this session itself.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि से जुड़े छह और कॉलेज

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि से सम्बद्ध महाविद्यालयों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। राजधानी में विश्वविद्यालय ने छह नए महाविद्यालयों में 10 से ज्यादा स्नातक पाठ्क्रम शुरू करने की अनुमति दी है। बीते 15 फरवरी को हुई एनओसी की बैठक में कमेटी ने सहमति दे दी है। जल्द ही इसके निर्देश जारी होंगे।

लविवि से सम्बद्ध लखनऊ में 174 महाविद्यालय संचालित हैं। इनमें चार राजकीय, 20 अनुदानित और 150 वित्त विहीन हैं। अब इन छह वित्तविहीन कालेज का और इजाफा हो जायेगा। इस सुविधा के शुरू होने से अब राजधानी के बाहरी इलाकों से आने वाले विद्यार्थियों को काफी राहत मिलेगी।

यहां शुरू होंगे नये कोर्स

सेंट्रल पब्लिक स्कूल फार गर्ल्स सेक्टर-8 शारदा नगर : बीए, बीएससी, बीकाम, बीजेएमसी,मां वैष्णो देवी डिग्री हबीबपुर हरदोई रोड काकोरी : बीकाम,आरएएस ला कालेज कृष्णा नगर आलमबाग : विधि त्रिवर्षीय, पांच वर्षीय,टीडीएल ला कालेज, कासिमपुर बिरहा सुल्तानपुर रोड : विधि त्रिवर्षीय,यूबीएस ला कालेज, कठवारा-बख्शी का तालाब : विधि त्रिवर्षीय, पांच वर्षीय,सत्य भामा कालेज आफ एजुकेशन, भौकापुर बेती लखनऊ : बीए और बीकाम

पहले से चल रहे इन कालेजों में इन कोर्स को मंजूरी

लाल बहादुर शास्त्री गर्ल्स कालेज आफ मैनेजमेंट कुर्सी रोड : एमकाम,बीएसएनवी पीजी कालेज चारबाग : एमएससी भौतिक, एमए अंग्रेजी, संस्कृत व राजनीतिशास्त्र, बासुदेव डिग्री कालेज अमराई गांव : एमए शिक्षा शास्त्र, एमकाम,फ्लोरेंस नाइटिंगल महिला पब्लिक महाविद्यालय : एमए अंग्रेजी, एमकाम,चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय देवा रोड : बीबीए, बीकाम,डा. आशा स्मृति महाविद्यालय देवा रोड : एमए समाज शास्त्र, शिक्षा शास्त्र,आर्यावर्त इंस्टीट्यूट आफ हायर एजुकेशन लखनऊ : बीकाम, बीएससी,गौतम बुद्ध डिग्री कालेज बिजनौर : बीएससी, एमकाम।

छात्रों में विकसित करें उद्यमशीलता : पाठक

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। उद्यमिता प्रेरित, साहसी एवं तैयार रहने की एक सुसंगत प्रक्रिया है, जोसमावेशी आर्थिक विकास का आधार है। समावेशी आर्थिक विकास का लक्ष्य, देश के युवाओं में उद्यमशीलता की भावना का विकास करके आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। इसी दिशा में लखनऊ विश्वविद्यालय लगातार प्रयत्नशील है कि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों में उद्यमिता के गुण का विकास किया जा सके। इसी के क्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग ने दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी उद्यमिता विकास :रोजगार सृजन एवं विकास का आधार विषय पर आयोजित हुआ। जिसकी शुरूआत विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में हुआ। जिसमें प्रथम दिन मुख्य अतिथि के रूप में कानून न्याय एवं ग्रामीण

● लविवि में सेमिनार में व्यक्त किये विचार

अभियांत्रिकी सेवा मंत्री बृजेश पाठक उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिवर्तन के वाहक हैं, उद्यमिता और समावेशी विकास को यदि धरातल पर अग्रसारित करना है तो उसके लिए हमें छात्रों में उद्यमी का गुणों का विकास करना होगा। उन्होंने वाणिज्य विभाग को ऐसे सेमिनार आयोजित करने के लिए बधाई दी और कहा भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन कराते रहना चाहिए। उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश एक बड़ा बाजार है और इस बाजार की मांग को ओडीओपी एवं स्किल इंडिया के माध्यम से आसानी से पूरा किया जा सकता है।

डीन एकेडमिक्स बने प्रो. राकेश चंद्रा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र विभाग के प्रो. राकेश चंद्रा को डीन एकेडमिक्स बनाया गया है। इससे पूर्व यह जिम्मेदारी अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. अरविन्द मोहन के पास थी। प्रो. चंद्रा के अलावा एडशिनल डीन एकेडमिक्स पद पर दो शिक्षकों की नियुक्ति की गयी है। इसमें जन्तु विज्ञान विभाग की डॉ. गीताजंलि मिश्रा और भौतिक विज्ञान विभाग के डॉ. अनार सिंह है।

JAGRAN CITY PAGE I

'उत्तर देने को सरल लेखन शैली जरूरी'

लविवि में अभ्युदय योजना के अंतर्गत संचालित कोचिंग में बच्चों को दी जानकारी

जासं, लखनऊ : आप प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं तो सबसे जरूरी है कि विषय के हर पाठ को समझना। उससे किस तरह के प्रश्न पूछे जा सकते हैं, उसके मैथड्स को जानना होगा। यदि निबंध लिखने को आता है तो उत्तर देते हुए इस बात का ध्यान रखना होगा कि हमारा पक्ष किन्हीं तथ्यों पर आधारित है। जरूरी है कि अर्थ के साथ पाठ भी स्पष्ट हो। लखनऊ विश्वविद्यालय के ओएनजीसी सेंटर में अभ्युदय योजना के अंतर्गत संचालित निःशुल्क कोचिंग में ये टिप्स अंग्रेजी विभाग के प्रो. आरपी सिंह ने छात्र-छात्राओं से फीडबैक के दौरान दिए।

प्रो. आरपी सिंह ने शाम चार से छह बजे कक्षा में संवाद-न्य में पहले छात्रों की तैयारी के संबंध में फीडबैक लिया। कई सवाल पूछे। कहा, बताइये कितने लोगों ने आज समाचार पत्रों में संपादकीय पृष्ठ पढ़ा ? सवाल का जवाब देने के लिए सिर्फ तीन छात्र-छात्राओं का हाथ उठा। सबसे आगे बैठे एक छात्र ने कुछ जवाब दिया। इस पर प्रो.सिंह ने कहा कि तैयारी के लिए सबसे जरूरी है कि समाचार पत्र रोज पढ़ें। इसके लिए आपका में हुए अच्छा लें। उसमें इस पर चर्चा कर सकते हैं।

लविवि में अभ्युदय योजना के अंतर्गत छात्रों को विधिवत सर्टिफिकेट की तैयारी के दिशा देते प्रो. आरपी सिंह • जागरण

प्रश्न 1 : मेंस के लिए टेक्निकल सेशन कब से पढ़ाया जाएगा ?

उत्तर : बिल्कुल, सभी विषयों में सेशन होंगे। परिणाम प्रशासनिक अधिकारी भी कक्षा लेंगे।

प्रश्न 2 : कई बार घुमाऊ-कार प्रश्नों को टेक्स्टबुक पढ़ ही जाता है ? उसका उत्तर कैसे दें ?

उत्तर : उसकी जी जरूरत नहीं है। प्रश्न को ठंडे दिमाग से पढ़ें। समझें कि क्या पूछ रहा है। फिर जवाब लिखें।

इन विषयों पर की बात

कक्षा में सहायक प्रोफेसर रुद्र प्रताप साहू ने राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन विषय के विषय में मिस्टर ने जानकारी दी। बताया कि राजनीति विज्ञान न राजनी के बारे में अवधारणा, उसमें खुली थ्योरी की जानकारी के लिए मिस्ट्रल एनालिसिस फन्नी होगी। इससे छोटी-छोटी चीजों में फहद मजबूत बनेगी। लोक प्रशासन विषय में मेकअलट के आइडिया, सिद्धांत को जानने के लिए समानता और विभिन्नता पर फोकस करें। सारे सिद्धांतों की धारणा और सिद्धांत को समझना होगा। इससे जुड़े प्रश्न डी और मेन में आते है। प्रश्न कैसे भी आ जाए, आपको से हल कर सकेंगे। डडिटन पालिटी के प्रान ऊीरस में पूछे जाते हैं। उन्होंने बेस पी आंतरिक सुरक्षा, उसके कारण सहित तमाम विषयों पर चर्चा की।

अच्छी किताबें पढ़ें, क्लासेट भी क्लीयर रखें

दूसरी कक्षा में बीबीएयू के असिस्टेंट प्रोफेसर रुद्र प्रताप साहू मौजूद थे। उन्होंने छात्रों से कहा कि तैयारी के लिए अच्छी किताबें पढ़ना जरूरी है। उससे आगे नोट्स बनाएं। एग्जामेंट एलीयर रखें। थ्योरी पढ़ें तो आज के संदर्भ में उसे जोड़ें। जो भी आसर लिखें, उससे पहले प्रश्न को समझें कि क्या पूछा जा रहा है।

'रोजगार का मतलब सिर्फ नौकरी देना नहीं'

जासं, लखनऊः आज हमारे सामने कई चुनौतियां हैं। हमें अर्थव्यवस्था को बढ़ाना, विकास और रोजगार के नए रास्ते खोजना चैलेंज है। रोजगार सृजन का मतलब ये नहीं कि सबको नौकरी मिले, बल्कि उनमें एंटरप्रेन्योरशिप डेवलप हो, यही उद्देश्य होना चाहिए, ताकि वे रोजगार मांगने के साथ रोजगार देने वाले बनें। यदि एक आदमी उद्यमी बनता है तो दस लोगों को रोजगार देता है। यह विचार जामिया मिलिया इस्लामिया दिल्ली के सेंटर फार मैनेजमेंट स्टडीज के प्रो. फुरकान कमर ने लविवि के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में जामिया मिलिया इस्लामिया के प्रो. फुरकान ने रखे विचार

मुख्य वक्ता के रूप में रखे। वह गुरुवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

रोजगार सृजन एवं विकास की कार्ययोजना' विषय पर शुरू हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रो. फुरकान कमर ने कहा कि शोध और इनोवेशन से उद्यमिता पर जोर देना होगा। संगोष्ठी में चोपड़ा रीटेक रबर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के चेयरमैन किरोन चोपड़ा, कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और कामर्स विभाग के हेड प्रो. अवधेश कुमार ने भी अपने विचार रखे। मुख्य अतिथि कानून मंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश के हर जिला किसी न किसी उत्पाद के लिए प्रमुख माना जाता है। चाहे बनारस की बनारसी साड़ी हो या लखनऊ का चिकन उद्योग। एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत हम युवाओं को सीधे रोजगार से जोड़ भी रहे हैं।

VISHWAVARTA PAGE 3

नई शिक्षा नीति के अनुरूप पीजी कोर्स तैयार करने में लविवि देशभर में बना अव्वल

» पीजी में 96 क्रेडिट स्टूडेंट्स को पूरा करना होगा

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ यूनिवर्सिटी में पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर कोर्स में बड़ा बदलाव किया है। यूनिवर्सिटी में साइंस, आर्ट सहित कई पीजी के कोर्स में नए शिक्षा नीति के तहत बदलाव को फैकेल्टी बोर्ड की बैठक में मंजूरी दी गई जिसके अनुसार स्टूडेंट्स एक वर्ष की पढ़ाई पूरी करने के बाद अगर चाहें तो पीजी डिप्लोमा लेकर जा सकते हैं। दो साल की पढ़ाई पूरी करने पर उन्हें पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री प्रदान की जायेगी। वहीं कुलपति ने दावा किया कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत अपने सभी 70 से अधिक स्नातकोत्तर विषयों में संशोधित पाठ्यक्रम लागू करने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय देश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है।

अब 28 के स्थान पर 24 क्रेडिट का होगा सेमेस्टरः फैकेल्टी बोर्ड ने मौजूदा सेशन से पीजी के सभी कोर्सेज में सेमेस्टर मिलने वाले क्रेडिट में संशोधन कर दिया हैं। इस प्रणाली के अन्तर्गत दो